भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2931

उत्तर देने की तारीख-18/03/2026

उत्तराखंड में केन्द्रीय विद्यालय

2931 # **श्री महेंद्र भट्टः**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ग्रामीण छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्तराखंड के चमोली जिले के पोखरी जैसे पर्वतीय और दूरस्थ विकास खंडों में केंद्रीय विद्यालय खोलने का विचार रखती है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): नए केंद्रीय विद्यालय (केवि) खोलना एक सतत् प्रक्रिया है। केवि पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु मुख्य रूप से केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों सहित रक्षा और अर्ध-सैन्य कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) के बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केवि खोलने के प्रस्तावों को भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किया जा सकता है जिसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) के मानदंडों के अनुसार एक नया केवि स्थापित करने के लिए निःशुल्क अपेक्षित भूमि और उपयुक्त किराया-मुक्त अस्थायी आवास को उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होती है। केवि राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र/जिला/पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्र के मानदंड पर नहीं खोले जाते हैं। वर्तमान में, उत्तराखंड

राज्य में 46 केन्द्रीय विद्यालय कार्य कर रहे हैं, जिनमें चमोली जिले में 04 केन्द्रीय विद्यालय, अर्थात् (i) केन्द्रीय विद्यालय आईटीबीपी, गौचर, (ii) केन्द्रीय विद्यालय एसएसबी, ग्वालदम, (iii) केन्द्रीय विद्यालय आईटीबीपी, जोशीमठ और (iv) केन्द्रीय विद्यालय गोपेश्वर शामिल हैं।

भारत सरकार ने हाल ही में अक्टूबर, 2025 में देश भर में 57 नए केंद्रीय विद्यालयों को स्वीकृति दी है, जिसमें उत्तराखंड राज्य में 01 केवि अर्थात् केवि सवाद (जिला चमोली) शामिल है। इसके अलावा, केन्द्रीय विद्यालय संगठन से प्राप्त सूचना के अनुसार, पोखरी, जिला चमोली, उत्तराखंड में एक नया केन्द्रीय विद्यालय खोलने के लिए राज्य सरकार/जिला प्रशासन से कोई व्यवहार्य प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****